सत्र समापन अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन

(दिनांक 19 जुलाई, 2016)

छत्तीसगढ़ की चतुर्थ विधानसभा के अष्टम सत्र का आज अंतिम दिवस है। दिनांक 11 जुलाई से 19 जुलाई तक के इस नौ दिवसीय मानसून सत्र जिसमें 7 बैठकें हुईं, के समापन अवसर पर सदन के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग के लिये सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय उपाध्यक्ष जी, सभापतिगण एवं आप सभी माननीय सदस्यों को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं, कि आप सभी ने सभा के संचालन में मुझे अपेक्षित सहयोग प्रदान किया एवं आप सभी के सहयोग से सभा का यह सत्र सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो रहा है।

इस मानसून सत्र में हमारे लिये यह भी हर्ष का विषय है कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ में मानसून में व्यापक वर्षा हो रही है, ईश्वर से कामना है कि हमारे प्रदेश में व्यापक वर्षा हो और हमारे किसान सुखी और समृध्द हो। किसानों के हित पर केन्द्रित विभिन्न विषयों पर प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण और चर्चा के विभिन्न माध्यमों से सदन में इस सत्र में आप सभी ने पूरी गंभीरता से विचार-विमर्श किया है। इस सत्र में नियम 139 के तहत अविलंबनीय लोकमहत्व के विषयों - प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति, आदिवासियों को वनाधिकार पट्टे से संबंधित एवं प्रदेश में खाद बीज की कमी एवं नकली खाद की बिक्री होने से उत्पन्न स्थिति तथा प्रदेश में शौचालय निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। ये चर्चा इस बात का प्रमाण है कि यह सदन प्रदेश की कानून व्यवस्था, किसान, आदिवासियों एवं आमजन के प्रति सजग एवं गंभीर है ।

यह मानसून सत्र कई मायनों में भी महत्वपूर्ण रहा है । सत्र के सभी कार्य दिवसों में सदन के संचालन में गतिरोध की न्यूनता आपके उच्च संसदीय संस्कार और लोककल्याण के प्रति आपकी प्रतिबध्दता को परिभाषित करती है। आपके इस व्यवहार से इस संसदीय सदन की गरिमा संवर्धित हुई है और अपेक्षा करता हूं कि संसदीय संस्कारों के उन्नयन के प्रति आप ऐसे ही सतत् रूप से अग्रसर होंगे।

संसदीय प्रजातंत्र में जनप्रतिनिधि जनआकांक्षा का प्रतिबिम्ब होता है। जनप्रतिनिधि से आमजनों की बहुत अपेक्षाएं होती हैं, उन अपेक्षाओं को महत्वाक्रम अनुसार पूर्ण करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का प्रथम दायित्व होता है। मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि चतुर्थ विधानसभा के आप माननीय सदस्यगण निरंतर निपुणता

की ओर अग्रसर है। सदन में होने वाली लोक-कल्याण और लोक-महत्व की प्रत्येक चर्चा में आपकी उपस्थिति और सहभागिता प्रशंसनीय है।

इस मानसून सत्र में शुक्रवार, 15 जुलाई 2016 को आप माननीय सदस्यों के लिये "स्वास्थ्य परामर्श" का महत्वपूर्ण कार्यक्रम नेशनल फांउडेशन ऑफ इंडिया एवं मायाराम सुरजन फांउडेशन के सौजन्य से आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम सभी माननीय सदस्यों के लिये प्रेरक और ज्ञानवर्धक रहा। सत्र अवधि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन की हमारी परंपरा रही है। इसी तारतम्य में सोमवार, दिनांक 18 जुलाई 2016 को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार पद्मश्री श्री शेखर सेन ने एकल पात्र नाटक "कबीर" का जीवंत मंचन किया और आप सभी ने इस प्रेरक प्रस्तुति का आनंद लिया।

लोकतंत्र में संसदीय व्यवस्था के प्रति आमजनों को जोड़ने के उद्देश्य से विधान सभा और प्रदेश सरकार का समन्वित प्रयास निरंतर रूप से जारी है। यह उल्लेखनीय है कि इस सत्र में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी "हमर छत्तीसगढ़ योजना" के तहत प्रदेश के त्रिस्तरीय पंचायत के लगभग 3054 जनप्रतिनिधियों ने अपने भ्रमण के दौरान विधानसभा का भ्रमण किया। इसके साथ ही प्रदेश की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्रा, निजी संगठन समूहो, के लगभग 2109 सदस्यों ने विधानसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन एवं विधानसभा का भ्रमण किया तथा लगभग 7000 नागरिकों ने विधान सभा की कार्यवाही का अवलोकन किया। इसके साथ ही 5000 विजिटर्स ने विधान सभा की वेबसाईट का अवलोकन किया तथा विधान सभा पुस्तकालय, संदर्भ एवं अनुसंधान सेवा द्वारा माननीय सदस्यों को विभिन्न विषयों पर 89 संदर्भ सामग्री उपलब्ध करायी गयी ।

अब मैं आपको इस सत्र में सम्पादित हुये संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा । इस सत्र में कुल 7 बैठकों में लगभग 39 घण्टे 15 मिनट चर्चा हुई । इन बैठकों में 62 प्रश्न सभा में पूछे गये, जिनके उत्तर शासन द्वारा दिये गये । इस प्रकार प्रति दिन प्रश्नों का औसत लगभग 9 प्रश्नों का रहा । इस सत्र में 670 तारांकित प्रश्न एवं 529 अतारांकित प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 1199 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं । इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 308 सूचनाएँ प्राप्त हुईं, जिसमें 85 सूचनाएं ग्राह्य हुईं तथा 16 शून्यकाल में परिवर्तित हुई । इस सत्र में स्थगन प्रस्ताव की ग्यारह विषयों से संबंधित कुल 191 सूचनाएं प्राप्त हुई, इनमें से एक विषय से संबंधित 37 सूचनायें सभा में वक्तव्य लेने के पश्चात् अग्राह्य की गई तथा दस विषयों से संबंधित 154 सूचनायें कक्ष में अग्राह्य की गई । शून्यकाल की 86 सूचनाएँ प्राप्त हुईं, जिसमें 35 सूचनाएं ग्राह्य और 51 सूचनाएं अग्राह्य रहीं।

माननीय सदस्यों द्वारा अशासकीय संकल्प की 5 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिनमें 2 संकल्प चर्चा हेतु ग्राह्य हुये तथा एक संकल्प सदन में चर्चा उपरांत अस्वीकृत हुआ तथा एक संकल्प वापस हुआ । इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 5 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुईं तथा सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुये ।

मैं सभापति तालिका के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे निरंतर सहयोग प्रदान किया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश वासियों को सभा में संपादित कार्यवाही से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं अन्य मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने गुरूत्तर दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

इस अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधानसभा के प्रमुख सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित करने की परंपरा रही है, तद्नुसार आगामी शीतकालीन सत्र दिसम्बर माह के प्रथम/द्वितीय सप्ताह में सम्भावित है। हम सब संसदीय प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृतसंकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ।

<u>धन्यवाद</u> !

<u>जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ !</u>